Bhodda College, Bhodda

Name of the teacher	Course	Sem	Subject	Topic	Mode
Dr Pankaj Kumar	B.Ed	II	T.C 204	Intelligence tests	Pdf

Signature

बुद्धि का मापन (Measurement of Intelligence)

प्रस्तावना (Introduction) : संसार में कोई भी दो व्यक्ति पूर्णरूपेण [illegible] नहीं हैं। विभिन्न शारीरिक एवं मानसिक गुणों में व्यक्तियों में अन्तर अनुभव किये जा सकते हैं। विभिन्न गुणों के आधार पर व्यक्ति विशेषों होते हैं। प्रत्येक मानसिक गुणों के आधार व्यक्तियों को [illegible] व निम्न-श्रेणियों में परिभाषित करते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में छात्रों की मानसिक योग्यता [illegible] का विशेष महत्व है। मनोवैज्ञानिकों ने बुद्धि को मापने अनेक प्रकार के [illegible] की परीक्षाएं, विभिन्न की योग्यताएं तथा व्यक्तित्व की योग्यता के रूप में परिभाषित किया जाता है।

अर्थ (Meaning of Intelligence Tests) :

- बुद्धि का मापन करने के लिए बुद्धि परीक्षाएं मनोवैज्ञानिक शिक्षा मनोविज्ञान की महत्वपूर्ण देन है।
- बुद्धि मापन से तात्पर्य बालक की मानसिक योग्यता का माप करना या ज्ञात करना कि उसमें [illegible] की मानसिक क्षमताएँ हैं और कितनी ?
- बुद्धि परीक्षा द्वारा समस्त मानसिक विकास का अनुमान लगाया जाता है।
- टर्मन (Terman) के विचार से कि बुद्धि परीक्षा किसी प्रकार का कार्य या समस्या होती है, [illegible] को एक व्यक्ति के मानसिक विकास के स्तर का अनुमान लगाया जा सकता है [illegible] मापा किया जा सकता है।
- सन् 1879 में वैज्ञानिक गुल्टन (Galton) ने अंग्रेजी के प्रोफेसर नगर में प्रथम मनोवैज्ञानिक [illegible] स्थापित करके बुद्धि मापन के उन्हें का वैज्ञानिक प्रयास प्रारम्भ किया।
- सन् 1905 में फ्रांस के [illegible] बिने ने फ्रांस के छात्रों की परीक्षा परिणाम के पिछले स्तर को [illegible] के लिए 30 प्रश्नों वाला बुद्धि परीक्षण बनाया।
- सन् 1908 तथा 1911 में संशोधित बुद्धि परीक्षण किया और मानसिक आयु (Mental Age) [illegible] का प्रयोग कर प्रकाशित किया गया।
- बिने ने समूहमान को साथ मिलाकर बिने-साईमन बुद्धि मापक्रम का निर्माण किया।

बुद्धि परीक्षाओं की आवश्यकता (Need of Intelligence Tests)

Scanned with CamScanner

बुद्धि परीक्षण मनोवैज्ञानी के हाथों में आने वाले सर्वोत्तम उपकरण का सृजन प्रस्तुत करके विभेदक की समस्या का समाधान करने में सहायता मिली है ।

मनोवैज्ञानिक जाँच व विश्लेषण की अनुभवगम्य विधियों में बुद्धि परीक्षणों का प्रयोग व्यावसायिक कार्यों के लिए और व्यावसायिकों को ग्रहण कराने के लिए किया जाता है कि व्यक्ति विशेषज्ञ कार्यों में कितनी सफलता प्राप्त कर सकते हैं ।

बुद्धि परीक्षणों के प्रकार (Types of Intelligence Tests)

प्रथम महायुद्ध में छिड़ने के कारण प्रथम बुद्धि परीक्षण के निर्माण के बाद अनेक बुद्धि परीक्षणों का निर्माण हुआ ।

प्रत्येक बुद्धि परीक्षणों को एक समय में केवल एक ही व्यक्ति पर प्रशासित किया जाता है जबकि कुछ बुद्धि परीक्षणों को एक साथ अनेक व्यक्तियों पर प्रशासित किया जा सकता है ।

बुद्धि परीक्षणों को प्रशासन की दृष्टि से दो भागों में बाँटा जा सकता है

(i) व्यक्तिगत बुद्धि परीक्षण (Individual Intelligence Test)
(ii) सामूहिक बुद्धि परीक्षण (Group Intelligence Test)

बुद्धि परीक्षणों को प्रश्नपुस्तिकाओं भाषा की दृष्टि से दो भागों में बाँटा जा सकता है –

(i) शाब्दिक बुद्धि परीक्षण (Verbal Intelligence Test)
(ii) अशाब्दिक बुद्धि परीक्षण (Non-verbal Intelligence Test)

व्यक्तिगत बुद्धि परीक्षण (Individual Intelligence Test)

व्यक्तिगत बुद्धि परीक्षण का आरम्भ बिने से किया ।

व्यक्तिगत बुद्धि परीक्षणों को इनमें समय में केवल एक व्यक्ति पर प्रशासित किया जाता है ।

व्यक्तिगत बुद्धि परीक्षण के प्रशासन में प्रशासक को धैर्य धारण की आवश्यकता होती है।

व्यक्तिगत बुद्धि परीक्षण के प्रशासक को समय परीक्षणकर्ता को परीक्षणों के साथ परिचित व कुशल होना तथा उचित सामंजस्य स्थापित करना पड़ता है ।

व्यक्तिगत बुद्धि परीक्षणों में शाब्दिक तथा अशाब्दिक दोनों ही प्रकार के प्रश्न हो सकते हैं ।

पढ़े लिखे प्रशिक्षित विशेषज्ञों के द्वारा परीक्षण दिये जाने से इनकी विश्वसनीयता तथा वैधता बढ़ जाती है ।

शाब्दिक तथा अशाब्दिक दोनों ही प्रकार की प्रश्नों को सम्मिलित किया जा सकने तथा विशेषज्ञों के द्वारा प्रशासित होने के कारण इनमें व्यक्ति की कार्य-प्रणाली, सामाजिक व संवेगात्मक जाँच व्यक्तियों के गुणात्मक पहलुओं का भी मापन सम्भव होता है ।

क्लीनिक व व्यावसायिक निर्देशन के लिए, मानसिक निदान के लिए तथा छोटे बच्चों, विकृत एवं कम बुद्धि व्यक्तियों के लिए व्यक्तिगत परीक्षण विशेष रूप से उपयोगी होते हैं ।

सामूहिक बुद्धि परीक्षण (Group Intelligence Test)

सामूहिक बुद्धि परीक्षण का आरम्भ प्रथम विश्व-युद्ध (1914–18) के समय अमेरीका में हुआ ।

सामूहिक बुद्धि परीक्षण एक समय में अनेक व्यक्तियों पर प्रशासित किया जा सकता है ।

Scanned with CamScanner

प्रथम विश्व–युद्ध के समय सैनिकों तथा अधिकारियों की भर्ती के लिए व्यक्तियों की मानसिक क्षमता का मापन करने के लिए आर्मी अल्फा परीक्षण (अँग्रेजी भाषा जानने वाले) तथा आर्मी बीटा परीक्षण (अँग्रेजी न जानने वाले व अशिक्षितों) के लिए किया गया है ।

* छात्रों एवं कर्मचारियों के चयन में इसका व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है ।
* 'जलोटा, टंडन व मेहता' के सामान्य मानसिक परीक्षण सामुहिक बुद्धि परीक्षणों के उदाहरण है ।
* सामुहिक बुद्धि परीक्षणों का प्रमाणीकरण एवं अंकन अपेक्षाकृत सरल व सुगम होता है ।
* सामुहिक बुद्धि परीक्षण अधिक वस्तुनिष्ठ होते हैं ।

शाब्दिक बुद्धि परीक्षण (Verbal Intelligence Test)

* शाब्दिक बुद्धि परीक्षणों से तात्पर्य उन परीक्षणों से है, जिनमें शब्दों या भाषा के माध्यम से प्रश्नों या समस्याओं को प्रस्तुत किया जाता है ।
* इन प्रश्नों का उत्तर भाषा के माध्यम से ही देने होते हैं ।
* इसका प्रयोग केवल पढ़े–लिखे एवं परीक्षण की भाषा जानने वाले व्यक्ति पर ही संभव है ।
* 'बिने' साईमन परीक्षण तथा जलोटा, टंडन व मेहता के बुद्धि परीक्षण इसके उदाहरण है ।

सीमाएँ (Limitation) :

* भाषा के प्रयोग के कारण शाब्दिक बुद्धि परीक्षणों का क्षेत्र सीमित हो जाता है । छोटे बच्चों, अशिक्षितों, अन्य भाषा वाले व्यक्ति तथा मन्दबुद्धि वाले व्यक्तियों के लिए इसका प्रयोग संभव नहीं है ।
* संस्कृतिक कारकों, सामाजिक परिस्थितियों, आर्थिक स्थिति तथा वातावरणीय हीनता पर व्यक्तियों की बुद्धि का मापन प्रभावित हो सकता है ।

अशाब्दिक बुद्धि परीक्षण (Non-verbal Intelligence Tests) :

* अशाब्दिक बुद्धि परीक्षण से अभिप्राय उन परीक्षणों से है, जिनके शब्दों या भाषा का प्रयोग न करके चित्रों एवं अन्य स्थूल वस्तुओं से समस्याएँ प्रस्तुत की जाती है ।
* परीक्षार्थी को सही चित्र या वस्तु छांटकर अथवा कुछ क्रिया करके अपने उत्तर को व्यक्त करना होता है ।
* इसप्रकार के बुद्धि परीक्षण निरक्षर, मन्दबुद्धि, छोटे बालकों या विदेशियों पर भी किया जा सकता है ।
* सामाजिक, संस्कृतिक तथा आर्थिक कारकों से अप्रभावित होने के कारण अशाब्दिक बुद्धि परीक्षण अधिक विश्वसनीय तथा वैध होते हैं ।

सीमाएँ (Limitation) :

* भाषा का प्रयोग न होने के कारण अशाब्दिक बुद्धि परीक्षण व्यवहारिक दृष्टि कम उपयोगी होते हैं ।
* इसका रचना व प्रशासन कुशल व प्रशिक्षित व्यक्ति के द्वारा ही किया जा सकता है ।

बुद्धिलब्धि परीक्षण (Intelligence Quotient) – I.Q :

* कोल व ब्रुस के शब्दों में– "बुद्धि–लब्धि यह बताती है कि बालक की मानसिक योग्यता में किस गति से विकास हो रहा है ।"

Scanned with CamScanner

* मानसिक आयु में वास्तव में बुद्धि या मानसिक विकास की स्थिति के सापेक्ष मान है ।
* सन् 1912 में बुद्धि–लब्धि (I.Q) के प्रयोग करने का सुझाव 'स्टर्न (Stern)* तथा 'कुहलमान (Kuhlmann)' ने दिया ।
* सन् 1916 में टरमैन के द्वारा स्टैनफोर्ड बिने परीक्षण के प्रकाशन के उपरान्त बुद्धि–लब्धि प्रचलित हो गया ।
* बुद्धि–लब्धि बालक के मानसिक विकास या बुद्धि को व्यक्त करने वाला एक निरपेक्ष मान है, जिसकी सहायता से बालक या व्यक्ति के कुशाग्र, सामान्य या मन्दबुद्धि होने का पता चलता है ।
* बुद्धि–लब्धि मानसिक आयु तथा वास्तविक आयु का अनुपात है ***(जिसमें दशमलव बिन्दु हटाने के लिए 100 से गुणा करते हैं)*** ।

$$\text{बुद्धि–लब्धि (I.Q)} = \frac{\text{मानसिक आयु (M.A)}}{\text{वास्तविक आयु (CA)}} \times 100$$

(Where, M.A = Mental Age, C.A = Chronological Age)

* मानसिक आयु का सर्वप्रथम विचार सन् 1908 में बिने ने दिया । गेट्स के अनुसार मानसिक आयु हमें किसी बालक के बुद्धि परीक्षा के समय बुद्धि परीक्षा द्वारा ज्ञात की जाने वाली सामान्य मानसिक योग्यता है ।
* मानसिक आयु किसी व्यक्ति के मानसिक विकास की वह अभिव्यक्ति है, जो उसके द्वारा किये जा सकने वाले मानसिक कार्यों से ज्ञात की जा सकती है ।
* बिने ने विभिन्न आयु के बालकों के लिए कुछ प्रश्नों को निर्धारित किया । जिस आयु के लिए निर्धारित प्रश्नों को बालक सही ढंग से हल कर देता है, उस बालक की मानसिक आयु उतनी वर्ष मानी जाता है ।
* मानसिक आयु ज्ञात करते समय बालक जिस उच्चतम आयु स्तर के समस्त प्रश्नों को सही–सही हल करता है, उसके साथ–साथ उसे इससे अधिक आयु स्तरों के उन समस्त प्रश्नों के लिए भी क्रेडिट मिलता है; जिन्हें वह सही हल करता है ।
* जिस उच्चतम आयु स्तर के सभी प्रश्नों को बालक सही हल करता है, उसे आधार वर्ष कहते तथा जिस आयु स्तर का कोई भी प्रश्न वह हल नहीं कर पाता है, उसे उस बालक का टर्मिनल वर्ष कहते हैं ।
* 'बिने' के अनुसार "बुद्धि–लब्धि बाल्यावस्था से किशोरावस्था तक स्थिर नहीं रहती है, बल्कि बढ़ती रहती है ।"
* यदि मानसिक आयु वास्तविक आयु के बराबर होती है तो बुद्धि लब्धि 100 के बराबर होती है और यदि मानसिक आयु वास्तविक आयु से अधिक होती है तो बुद्धि लब्धि का मान 100 से अधिक तथा मानसिक आयु वास्तविक आयु से कम होती है तो बुद्धि लब्धि का मान 100 से कम होता है ।

Scanned with CamScanner

टरमैन ने सन् 1916 में स्टैनफोर्ड बिने परीक्षण के साथ बुद्धि लब्धि के वितरण की तालिका तैयार की थी, जो इस प्रकार होते हैं :—

बुद्धि–लब्धि सीमाएँ (I.Q Limits)	वर्ग (Category)	प्रतिशत (%)
140 से अधिक	प्रतिभाशाली (Genious)	2
121 – 140	प्रखर–बुद्धि (Superior)	7
111 – 120	तीव्र–बुद्धि (Above Average)	16
91 – 110	सामान्य–बुद्धि (Average)	50
81 – 90	मन्द–बुद्धि (Feeble Minded)	16
71 – 80	अल्प–बुद्धि (Dull)	7
71 से कम	जड़–बुद्धि (Idiot)	2
51 – 70	मूढ़	
26 – 50	मूर्ख	
1 – 25	महामूर्ख	

टरमैन ने 140 से अधिक को प्रतिभाशाली बालक कहा है, जबकि डनलप ने 132 से अधिक बुद्धि–लब्धि वाले बालक को प्रतिभाशाली बालक कहा है ।

अतएव सामान्य तौर पर 130 से अधिक बुद्धि–लब्धि वाले बालक को प्रतिभाशाली बालक कहा जा सकता है ।

कुछ बालक एक साथ कई प्रकार की कौशल में निपुण होते हैं । यह बहु–आयामी बुद्धि सत्ता के कारण होता है ।

बुद्धि परीक्षणों का शैक्षिक उपयोग (Educational Use of Intelligence Tests) :

संभवतः बुद्धि परीक्षणों का सर्वाधिक उपयोग शैक्षिक क्षेत्र में किया जाता है ।

'गेटस व अन्य' के मतानुसार "बुद्धि परीक्षाएँ व्यक्ति की सम्पूर्ण योग्यता का माप नहीं करती पर वे उसके एक अति महत्वपूर्ण पहलू का अनुमान कराती है, जिसका शैक्षिक सफलता से और कुछ मात्रा में अधिकांश अन्य क्षेत्रों से निश्चित संबंध है । यही कारण है कि बुद्धि परीक्षाएँ शिक्षा की महत्वपूर्ण साधन बन गयी है ।"

पिछड़े, सामान्य एवं प्रतिभाशाली बालकों का चुनाव करने में ।

कक्षा में बालकों का वर्गीकरण करने में (तीव्र बुद्धि, मन्द बुद्धि और साधारण बालकों में विभाजित कर अलग–अलग शिक्षा देने में) ।

अपराधी व समस्यात्मक बालकों का सुधार करने में ।

बालकों की व्यवसायिक योग्यता का ज्ञान प्राप्त करने में ।

बालकों की विशिष्ट योग्यता का ज्ञान ।

राष्ट्र के बालकों की बुद्धि का ज्ञान (1932 में स्कॉटलैण्ड में 11 वर्ष के सब बालकों का सामूहिक बुद्धि परीक्षा ली गयी थी) ।

अपव्यय का निवारण (अनेक बालक परीक्षाओं में अनुत्तीर्ण होने के कारण अध्ययन कार्य को स्थगित कर देते हैं) ।

बालकों की क्षमता के अनुसार कार्य देने के लिए ।

Scanned with CamScanner

व्यक्तिगत विभिन्नता बुद्धि परीक्षाओं का विकास प्रमुखतः बुद्धि मापन से सम्बन्धित किया जाता है जिनमें से

1. बिने - साइमन्स परीक्षण (Binet - Simon's Test) - इस परीक्षण का निर्माण बिने (Binet) तथा साइमन (Simon) के सहयोग (Process) द्वारा 1905 ई० में किया। यह एक प्रकार का वैयक्तिक बुद्धि परीक्षण (Individual intelligence test) है। इसमें मौखिक एवं (Verbal items) का प्रयोग किया जाता है। इस परीक्षण का संशोधन 1908 ई० में किया गया। 1911 ई० में इस परीक्षण का अन्तिम संशोधन गाल्टन (Goddard) द्वारा प्रस्तुत किया गया और मानसिक स्तर के कौशल पदों की बुद्धि मापने के लिए काफी उपयोग किया जाता। इस परीक्षण का भारतीय संस्करण का एन्स (Kanna) ने 1916 में मैसूर विश्वविद्यालय में किया था। इसे स्टैनफोर्ड - बिने परीक्षण (Stanford - Binet test) के नाम से पुकारा जाता। इस परीक्षण के दो प्रपोन - शाखी एल (Form L) तथा शाखी एम (Form M) बनाए गए हैं। इस में प्रश्न (Items) या प्रश्नों को आयु वार रखा गया है। प्रश्नों तथा उत्तरों को देखकर बुद्धि का माप की जाती।

इस परीक्षण का पुनः संशोधन 1937 में टरमैन तथा मेरिल (Terman & Merrill) ने किया जिसका नाम है 1937 फार्म (The 1937 Form) रखा गया। इस संशोधन द्वारा दो साल से पन्द्रह साल तक के व्यक्तियों का बुद्धि परीक्षण किया जा सकता है।

1960 में पुनः इसका संशोधन हुआ और अब इसके द्वारा 2 साल से 22 साल 11 महीना तक के व्यक्तियों की बुद्धि मापी जा सकती थी। 1973 ई० में इस परीक्षण का एक नया मानक तैयार किया गया। यह बहुत ही विश्वसनीय तथा वैध परीक्षण है। इसकी विश्वसनीयता (Reliability) .90 से ऊपर तथा वैधता (Validity) .75 से भी अधिक है। इस परीक्षण में कुछ भिन्न भिन्न उम्र स्तर के लिए अलग-अलग एकांश है अतः इसमें भिन्न भिन्न उम्र के बच्चों के बीच में पूर्वकथन करना काफी आसान होता है।

वेश्लर- बिने परीक्षण के प्रमुख अपगुण - वेश्लर (Wechsler, 1939) ने दो अपगुण बताये हैं जो इस प्रकार है।-

⇒ इस परीक्षण द्वारा बच्चों की बुद्धि की जाँच ठीक ढंग से नहीं होती है।

⇒ इस परीक्षण में सिर्फ शाब्दिक एकांशों का प्रयोग किया गया है, अतः इसकी उपयोगिता सीमित है। अनपढ़ व्यक्तियों पर यह परीक्षण नहीं किया जा सकता है।

Scanned with CamScanner

वेश्लर बुद्धि परीक्षण (Wechsler Intelligence Scale)-

वेश्लर ने व्यस्कों की बुद्धि मापने के लिए 1939 में एक मापनी तैयार किया जिसका नाम वेश्लर बेलेव्यू मापनी (Wechsler-bellevue Scale) रखा गया। (वेश्लर न्यू यार्क सिटी के बेलेव्यू अस्पताल में काम करते थे) इस परीक्षण के दो फार्म थे और दोनों फार्म में दस-दस उप-परीक्षण (sub tests) थे। इस में से पाँच शाब्दिक मापनी (verbal scale) थे तथा पाँच क्रियात्मक मापनी थे। इस परीक्षण का संशोधन 1955 में किया गया और इसका नाम वेश्लर एडल्ट बुद्धि मापनी (Wechsler Adult Intelligence Scale or WAIS) रखा गया। 1981 में इस मापनी का फिर संशोधन किया गया उस समय नाम WAIS-R रखा गया। इसमें 11 उपपरीक्षण) जिसमें 6 शाब्दिक मापनी तथा 5 क्रियात्मक मापनी है।

(Verbal scales) (Performance scales)

शाब्दिक मापनी (Verbal scales) के नाम इसप्रकार है-

(I) Information test
(II) comprehension test
(III) Arithmetic test
(IV) Similarities
(V) Digit span test
(VI) Vocabulary test

क्रियात्मक मापनी (Performance scales) के नाम-

(I) Digit symbol test (IV) Block design test
(II) Picture completion test (V) Object Assembly test
(III) Picture Arrangement

Scanned with CamScanner

इस परीक्षण में पुरुष की तथा स्त्री तरह के
पुरुष लड़के शामिल थे जो IQ विभाग
अनुसार था IQ तथा उससे कम IQ
वाले थे। इस परीक्षण की विश्वसनीयता
तथा वैधता भी काफी अधिक है। इस
परीक्षण द्वारा 16 से 64 वर्ष तक के व्यक्तियों
का बुद्धि मापा जाता है।

6 से 16 वर्ष तक के बच्चों की बुद्धि मापने
के लिए वेशलर ने बच्चों की बुद्धि मापने के लिए
एक पैमाना 1949 में बनाया किये
वेशलर बुद्धि मापनी बच्चों के लिए (Wechsler
Intelligence Scale for children = WISC)
कहा गया। इस परीक्षण का संशोधन 1974
में किया गया इसे WISC-R कहा गया। इसमें
12 उप-परीक्षण है जिसमें 6 शाब्दिक मापनी तथा
6 निष्पादन मापनी को Subtest मापनी कहा
इस परीक्षण के नाम इस प्रकार है -

(I) Information test
(II) Comprehension test
(III) Arithmetic test
(IV) Similarities test
(V) Digit span test
(VI) Vocabulary test

निष्पादन मापनी के इस परीक्षण के नाम इस प्रकार है -

(I) picture completion test (II) Coding test
(III) picture arrangement test (IV) Block design test
(V) Object assembly test

वेशलर ने आयत थोड़े बच्चों की बुद्धि मापने के लिए 1967 में एक अंग परीक्षण का निर्माण किया जिसका नाम (Wechsler Pre School and Primary Scale of Intelligence (WPPSI) रखा। यह परीक्षण में 11 उपपरीक्षण थे 6 शाब्दिक तथा 5 क्रियात्मक मापनी के 6 शाब्दिक मापनी के नाम इस प्रकार हैं-

(I) Information test
(II) Vocabulary test
(III) Arithmetic test
(IV) Similarities test
(V) comprehension test.
(VI) Sentence test

क्रियात्मक (Performance scale) के नाम-

(I) Picture completion test
(II) Maze test
(III) Block design test.
(IV) Geometric design test
(V) Animal house test

WISC-R तथा WPPSI प्रेमो ही परीक्षणों की विश्वसनीयता .82 से .92 है।

III. कैटल संस्कृति मुक्त बुद्धि परीक्षण (Cattell culture free Intelligence test).

इस परीक्षण का निर्माण चैटल (Cattell) ने किया था
इसके तीन रूपान्तर हैं-

(a) स्केल - I (Scale-I) - यह उन बालकों तथा वयस्कों के लिए प्रयुक्त होता है जिनका मानसिक स्तर 3 वर्ष से 8 वर्ष के बीच होता है।

(b) स्केल - II (Scale-II) - 8 से 13 वर्ष की आयु वाले तथा औसत वयस्कों के लिए प्रयोग किया जाता है।

(c) स्केल - III (Scale-III) - इसे उच्चतर के स्केल भी कहते हैं। यह विश्वविद्यालय के छात्रों तथा 14 वर्ष से अधिक आयु वाले व्यक्तियों पर प्रयोग किया जाता है।

इसमें तीन स्केल होते हैं जिनका पृथक-पृथक नाम है (General mental ability factor) तथा इनके द्वारा निम्न तीन कारकों का मापन होता है। ये कारक सांस्कृतिक कारक (Cultural factor), सामाजिक कारक (Social factor), पर्यावरणीय कारक (environmental factor) आदि हैं। इस परीक्षण का प्रयोग (3) वर्ष से ऊपर व्यक्ति पर किया जाता है।

IV. प्रोग्रेसिव मैट्रिसेज (Progressive Matrices) - इस परीक्षण का विकास 1938 में हुआ था। यह दो प्रकार का होता है - (1) बच्चों के लिए रंगीन प्रोग्रेसिव मैट्रिसेज (Coloured progressive matrices) जिसमें 3 सेट परीक्षण A, Ab तथा B है जो क्रमशः कठिन होते जाते हैं। (2) वयस्कों के लिए स्टैण्डर्ड प्रोग्रेसिव मैट्रिसेज (Standard Progressive matrices) जिसमें 5 सेट परीक्षण A, B, C, D, E होते हैं। प्रत्येक सेट में 12 पदों के अनुसार सबसे सरल A, उससे कठिन Ab, उससे कठिन B होते हैं। प्रत्येक के 12 पदों में अन्तिम पद सबसे कठिन होता है।